लोकमणि लाल पुरस्कार

(विद्यालय शिक्षण में उत्कृष्टता के लिए
महर्षि पतंजलि विद्या मंन्दिर समिति द्वारा सम्पादित)
28–ए, शिलाखाना, तेलियरगंज, प्रयागराज 211004
फोन नं0 9335408970, 6390012408
ई मेल – mpvmsamiti@gmail.com
वेबसाइट – www.mpvm.edu.in

उत्कृष्टता पुरस्कार 2025

मूलभूत एवं प्राथमिक स्तर के विद्यालयों में शिक्षण के लिए (कक्षा नर्सरी से 5 तक)
{ट्रॉफी, सम्मान पत्र एवं 51,000/– रूपये नकद}

अर्हता

- भारत के समस्त सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के शिक्षक उक्त पुरस्कार के लिये अनुमन्य होंगे। आवेदन कर्ता के पास आवेदन की तिथि तक देश में स्थित जनपद के एक विद्यालय में नियमित रूप से 5 वर्ष का शिक्षण अनुभव हो तथा सम्पूर्ण शिक्षण अनुभव दस वर्षों से कम न हो।
- आवेदनकर्ता ने अपने चयनित विषय क्षेत्र–शिक्षण में उच्चस्तरीय मापदण्ड स्थापित किया हो तथा छात्रों के अनुश्रवण में उल्लेखनीय कार्य किया हो।
- आवेदनकर्ता के पास अपने शिक्षार्थियों की उपलब्धियों का प्रमाण हो तथा शिक्षार्थियों में नैतिक मूल्यों को संस्थापित करने की दृष्टि से उसकी उल्लेखनीय सेवाएँ हों।

स्व–मूल्यांकन प्रपत्र (नामांकित व्यक्ति द्वारा स्वयं भरा जाना आवश्यक)

यहाँ दी गई जानकारी प्रमाणिक होनी चाहिए और उसका दस्तावेज़ी साक्ष्य भी होना चाहिए। यह स्व–मूल्यांकन पत्र निर्णायक मंडल के लिये आपको समझने में सहायक होगा।

1. आवेदनकर्ता का विवरण

(i) नाम .....

(i) पुरूष { } स्त्री { } जन्मतिथिः दिनांक ..... माह ..... वर्ष .....

(iii) पद .....

(iv) विद्यालय का नाम .....

(v) शिक्षा का माध्यम .....

(vi) सम्बद्धता .....

(vii) पत्राचार का पता पिनकोड सहित .....

.....

(viii) मोबाइल ..... कार्यालय/निवास .....

(ix) ई मेल .....

(x) फेसबुक आई डी ..... इंस्टग्राम आई डी .....

(xi) **शैक्षिक योग्यता (अंक तालिकायें अनिवार्य रूप से संलग्न करें)**

कक्षा	सत्र	विषय	बोर्ड/विश्वविद्यालय	श्रेणी

2. कार्य–विवरण

अध्यापन अनुभव का विवरण –

क्र.सं.	पद	समयावधि	पढ़ाई गई कक्षाएँ	पढ़ाये गये विषय

सम्पूर्ण अध्यापन अनुभव ..... वर्ष

3. शैक्षिक उपलब्धियाँ (अतिरिक्त पृष्ठ संलग्न करें)

(i) कक्षा शिक्षण में स्वयं के द्वारा अपनाई गई उत्कृष्ट शैक्षिक विधियों का वर्णन करें।

.....

.....

(ii) अपने विषय–ज्ञान को आप कैसे समृद्ध करते हैं ?

.....

.....

(iii) छात्रों के ध्यानाकर्षण के लिए आप ऐसी कौन–सी प्रभावी विधियाँ अपनाते हैं जिससे उनका अधिगम अनुभव जीवनपर्यन्त उनके साथ बना रहे।

.....

.....

(iv) अध्यापक के रूप में आपका सर्वाधिक परिपूर्ण/संतोषजनक अनुभव –

.....

.....

(v) वर्णित कीजिए कि छात्रों की ऊर्जा को कुशलतापूर्वक संचालित करने के लिए आप कैसे प्रयास करेंगे, जिसमें न्यूनतम अनुशासनात्मक समस्याएं ही हों।

.....

.....

(vi) विद्यालय में विद्यार्थियों को सीखने के लिए प्रेम और नियमित उपस्थिति के लिए आपने उन्हें कैसे प्रोत्साहित किया?

.....

.....

4. शैक्षिक नवोन्मेष (अतिरिक्त पृष्ठ संलग्न करें)

निम्नलिखित बिन्दुओं पर स्वयं द्वारा अपनाई गई नवीन पद्धतियों का वर्णन करें–

(i) रचनात्मक माध्यमों की सहायता से सृजनात्मक शिक्षण

.....

.....

(ii) दृश्य एवं श्रव्य माध्यम

.....

.....

(iii) कक्षा शिक्षण से बाहर के अधिगम

.....

.....

(iv) नाटकों /अभिनय माध्यम से

.....

.....

(v) कौशल–विकास गतिविधि को अपनाया और कार्यान्वित किया गया

.....

.....

(vi) खेल आधारित शिक्षा जिसमें हैन्ड्स ऑन लॅर्निंग गतिविधियाँ और संवादात्मक परिचर्चा अभ्यास कार्य में शामिल हो।

.....

.....

(vii) वास्तविक जीवन से जुड़ाव (अपने पाठों को वास्तविक दुनिया से जोड़ना)

.....

.....

(viii) एकाग्रता और लगन में वृद्धि हेतु 'ब्रेन ब्रेक गतिविधियाँ और माइन्डफुलनेस' अभ्यास

.....

.....

5. (i) ग्रामीण क्षेत्र/मलिन बस्तियों में अध्यापन का अनुभव। हाँ/नहीं (यदि हो तो उल्लेख करते हुए प्रमाण दें)

(ii) विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाने का अनुभव। हाँ/नहीं (यदि हो तो उल्लेख करते हुए प्रमाण दें)

(iii) आपके द्वारा दी गई अन्य सामाजिक सेवाएँ।

6. उपलब्धियों की सूची (अलग पृष्ठ संलग्न करें एवं पुष्टि हेतु प्रमाण दें)

(i) व्यवसाय संबंधी (आपके सहयोग से विद्यालय/छात्रों द्वारा विजित पुरस्कार)

(ii) वैयक्तिक पुरस्कार एवं उपलब्धियाँ

7. अतिरिक्त सूचनाएँ (आवश्यकतानुसार अतिरिक्त पृष्ठ संलग्न करते हुए समर्थन में प्रमाण दें)

(i) पाठ्यक्रम विकास/संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार आदि (विगत तीन वर्षों की प्रतिभागिता)

(ii) विगत तीन वर्षों के प्रपत्रों/शोधपत्रों की प्रस्तुति

(iii) आपके द्वारा प्रकाशित (लेख/पत्र/पुस्तकें) यदि हों

(iv) विगत दो वर्षों में आपके द्वारा पढ़ी गई पुस्तकों का नाम लिखें (जो आपके विषय से भिन्न हों), इनमें से किन पुस्तकों की अनुशंसा आप दूसरों के लिये करेंगे और क्यों?

.....

.....

8. (i) कृपया एक संक्षिप्त लेख द्वारा यह बताएं कि आप स्वयं को इस पुरस्कार के लिए सुयोग्य क्यों मानते हैं? (अतिरिक्त पृष्ठ संलग्न करें)

(ii) अपने आवेदन पत्र की हार्ड–कॉपी के साथ एक शिक्षण विधि के रूप में अपने विचार, दृष्टिकोण एवं अनुभव का 3&मिनट का वीडियो प्रस्तुत करें।

¼वीडियो जमा करने के निर्देश–

¼Google Drive) esa लिंक साझा करें

वीडियो लिंक ¼URL½: ----------

---

9. संदर्भकर्ता

नाम	पद	पता एवं सम्पर्क नम्बर	ई–मेल पता	आप इनको किस रूप में जानते हैं ?*

* सहयोगी/संस्था–प्रधान/समुदाय–प्रधान/कोई अन्य (कृपया उल्लेख करें)

दिनांकः ..... **आवेदनकर्ता का हस्ताक्षर .....**

<u>सामान्य नियम–</u>

1. आवेदन पत्र के निर्धारित प्रारूप में (अथवा छायाप्रति में) आवश्यकतानुसार अतिरिक्त सादे कागज के साथ अंग्रेजी अथवा हिन्दी में टंकित तथा निर्देशानुसार समस्त संलग्नकों एवं दो पासपोर्ट आकार के फोटोग्राफ के साथ भेजा जाना चाहिए। आवेदन के साथ समस्त अभिलेखीय साक्ष्यों को भेजा जाए तथा समाचार पत्र इत्यादि में प्रकाशित लेखों इत्यादि की छायाप्रति भी प्रस्तुत की जाए ताकि आवश्यकतानुसार उपलब्धियों का प्रमाण प्राप्त हो सके।
2. आवेदन सम्बन्धित शिक्षक द्वारा किया जाना चाहिए तथा विद्यालय अथवा स्वयं शिक्षक द्वारा प्रेषित किया जा सकता है।
3. कृपया दो ऐसे लोगों के नाम और पते का उल्लेख करें जो आपके कार्य से परिचित हो तथा जिनसे गोपनीय संदर्भों के सम्बन्ध में सम्पर्क किया जा सके।
4. आवेदन एक लिफाफे के अन्दर जिसके ऊपर गोपनीय लिखा हो, **सचिव, महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर समिति, 28–ए, शिलाखाना, तेलियरगंज, प्रयागराज–211004** में **15 सितम्बर, 2025** तक अथवा इसके पूर्व अवश्य पहुँच जाना चाहिए।
5. निर्णायक मंडल का निर्णय ही मान्य होगा तथा किसी भी चुनौती के लिए बाध्य नहीं होगा। आवश्यकता पड़ने पर Video Conferencing के माध्यम से आपसे सम्पर्क किया जा सकता है। आपको समय पर सूचित किया जाएगा।
6. अतिरिक्त जानकारी के लिए श्री अजय श्रीवास्तव से सम्पर्क कर सकते हैं, मोबाइल नं0 9335408970

नोट – अपूर्ण फॉर्म को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

* * * * * * *